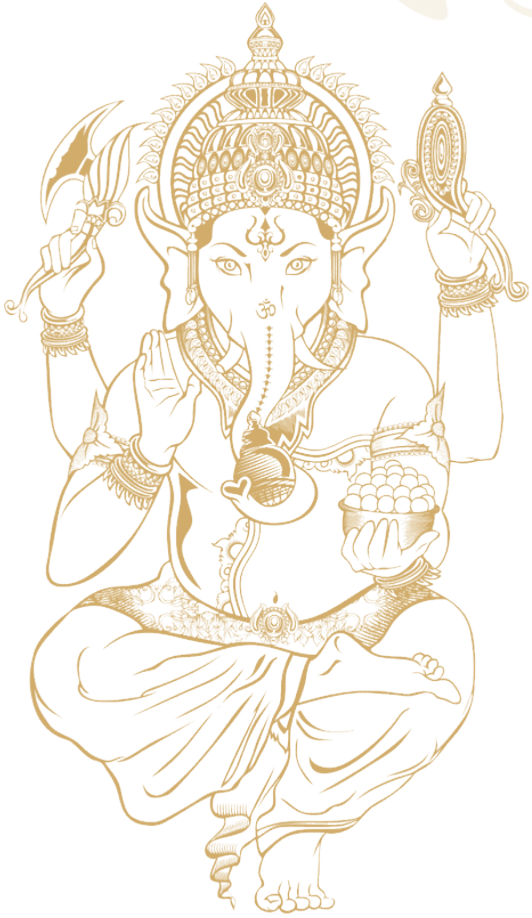

yashoda

15 Jun 1949

03:00 PM

Meerut

Model: web-freekundliweb

Order No: 119359004

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**15/06/1949**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**15:00:00 घंटे**
इष्ट	24:09:30 घटी
स्थान	**Meerut**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:00:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:40:48 घंटे
वेलान्तर	-00:00:14 घंटे
साम्पातिक काल	08:14:09 घंटे
सूर्योदय	05:20:11 घंटे
सूर्यास्त	19:19:00 घंटे
दिनमान	13:58:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	00:47:04 मिथुन
लग्न के अंश	06:07:47 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 1**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	वैधृति
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	गा-गामिनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	06:07:47	311:30:41	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	---
सूर्य			मिथु	00:47:04	00:57:17	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	सम राशि
चंद्र			मक	25:58:33	12:28:36	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	सम राशि
मंगल			वृष	10:39:48	00:42:34	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	सम राशि
बुध	व	अ	वृष	15:31:50	00:02:44	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
गुरु	व		मक	07:59:47	00:04:39	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	नीच राशि
शुक्र			मिथु	16:34:46	01:13:24	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	मित्र राशि
शनि			सिंह	07:52:18	00:04:21	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
राहु	व		मेष	00:29:01	00:06:05	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	00:29:01	00:06:05	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	सम राशि
हर्ष			मिथु	07:09:39	00:03:34	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	---
नेप	व		कन्या	19:15:56	00:00:16	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	---
प्लूटो			कर्क	21:32:45	00:01:15	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	08:09:05	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:08:57

लग्न-चलित

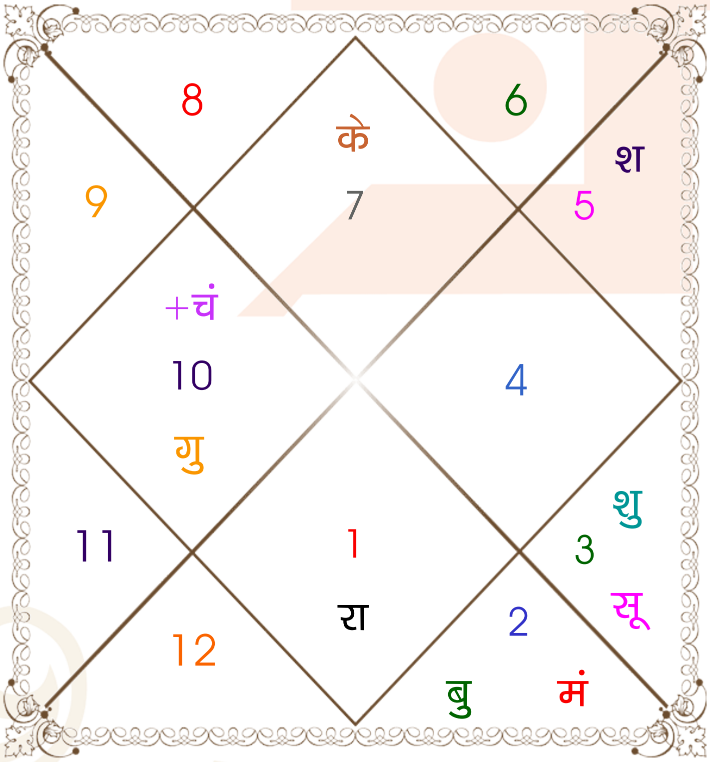

चन्द्र कुंडली

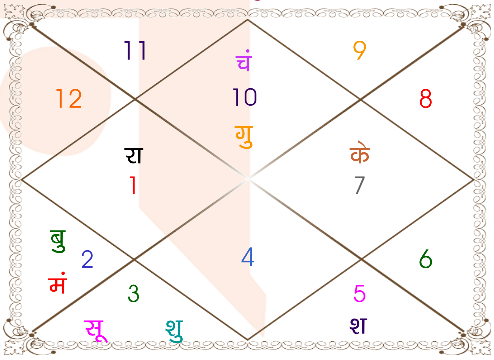

नवमांश कुंडली

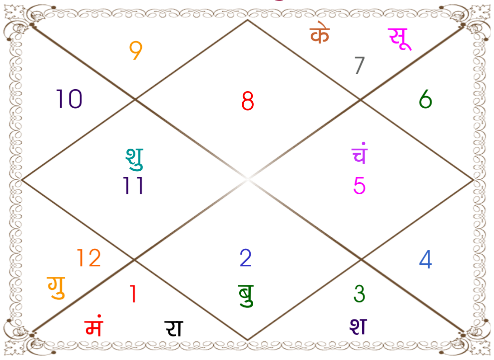

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 5 वर्ष 7 मास 10 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
15/06/1949		25/01/1955		25/01/1973		25/01/1989		25/01/2008	
25/01/1955		25/01/1973		25/01/1989		25/01/2008		25/01/2025	
	15/06/1949	राहु	07/10/1957	गुरु	15/03/1975	शनि	28/01/1992	बुध	23/06/2010
राहु	11/07/1949	गुरु	02/03/1960	शनि	25/09/1977	बुध	08/10/1994	केतु	20/06/2011
गुरु	17/06/1950	शनि	07/01/1963	बुध	01/01/1980	केतु	16/11/1995	शुक्र	20/04/2014
शनि	27/07/1951	बुध	26/07/1965	केतु	07/12/1980	शुक्र	16/01/1999	सूर्य	25/02/2015
बुध	23/07/1952	केतु	14/08/1966	शुक्र	08/08/1983	सूर्य	29/12/1999	चंद्र	26/07/2016
केतु	19/12/1952	शुक्र	14/08/1969	सूर्य	26/05/1984	चंद्र	29/07/2001	मंगल	23/07/2017
शुक्र	18/02/1954	सूर्य	08/07/1970	चंद्र	25/09/1985	मंगल	07/09/2002	राहु	10/02/2020
सूर्य	26/06/1954	चंद्र	07/01/1972	मंगल	01/09/1986	राहु	14/07/2005	गुरु	18/05/2022
चंद्र	25/01/1955	मंगल	25/01/1973	राहु	25/01/1989	गुरु	25/01/2008	शनि	25/01/2025

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
25/01/2025		25/01/2032		25/01/2052		25/01/2058		25/01/2068	
25/01/2032		25/01/2052		25/01/2058		25/01/2068		00/00/0000	
केतु	23/06/2025	शुक्र	27/05/2035	सूर्य	14/05/2052	चंद्र	25/11/2058	मंगल	23/06/2068
शुक्र	23/08/2026	सूर्य	26/05/2036	चंद्र	13/11/2052	मंगल	26/06/2059	राहु	15/06/2069
सूर्य	29/12/2026	चंद्र	25/01/2038	मंगल	20/03/2053	राहु	25/12/2060		00/00/0000
चंद्र	30/07/2027	मंगल	27/03/2039	राहु	12/02/2054	गुरु	26/04/2062		00/00/0000
मंगल	26/12/2027	राहु	27/03/2042	गुरु	01/12/2054	शनि	26/11/2063		00/00/0000
राहु	12/01/2029	गुरु	25/11/2044	शनि	13/11/2055	बुध	26/04/2065		00/00/0000
गुरु	19/12/2029	शनि	25/01/2048	बुध	19/09/2056	केतु	25/11/2065		00/00/0000
शनि	28/01/2031	बुध	25/11/2050	केतु	25/01/2057	शुक्र	27/07/2067		00/00/0000
बुध	25/01/2032	केतु	25/01/2052	शुक्र	25/01/2058	सूर्य	25/01/2068		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 5 वर्ष 7 मा 16 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुर्निर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगी। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगी। आप अपने पति के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र की विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगी। आप अपने पति की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पति के आकर्षण के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकती हैं। संप्रति आप अपने साथी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगी कि आपको एक अच्छा जीवन संगी प्राप्त हुआ है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरुप मिथुन अथवा कुंभ राशि के जीवन साथी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि के साथी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपने जीवन साथी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगी। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपके संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगी।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगी। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगी। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु बृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रुप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रुप से सफलता प्राप्त कर सकती हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकती हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु अपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके, यह जानती हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकती हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाती हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करती हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकती हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति की हो जाती है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सकी तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगी। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रुचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।